GURU KASHI UNIVERSITY

Master of Arts in Hindi

Session: 2024-25

Department of Hindi

Graduate Attributes

भाषिक क्षमता के विकास से अध्येता की शोध-दृष्टि विकसित होगी और अभिव्यक्ति क्षमता प्रभावशाली होगी, सांस्कृतिक संचेतना के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के परिणामस्वरूप सांस्कृतिक उत्थान संभव होगा जिससे न केवल वैश्विक धरातल पर प्रतिष्ठा होगी वरन् जीवन-जगत् की समस्याओं का श्रेष्ठ विकल्प भी उपस्थित होगाएवं मानवता की मुक्ति और सशक्तिकरण के लिए एक उपकरण के रूप में शिक्षा का उपयोग होगा।

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES

- छात्र साहित्य की प्राचीन एवं नवीन साहित्यिक विधाओं का विवेचन-विश्लेषण एवं मूल्यांकन करके नवीन साहित्य सृजन में प्रवृत्त होंगे ।
- छात्र वैश्वीकरण के दौर में प्रचलित नई सम्भावनाओं पर ध्यान केन्द्रित करेंगे और उन सम्भावनाओं का प्रत्येक विधा से सम्बन्ध स्थापित करेंगे ।
- छात्र जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के माध्यम से हिंदी की उपादेयता तथा प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्र में नई सम्भावनाओं की तलाश करेंगे ।
- छात्र भाषा विज्ञान, अनुवाद विज्ञान,शैली विज्ञान, सौंदर्यशास्त्र,लोक साहित्य,ललित साहित्य,प्रयोजनमूलक हिंदी एवं पत्रकारिता प्रशिक्षण से परिचित होकर सामाजिक परिप्रेक्ष्य में साहित्यसे सम्बन्ध स्थापित करेंगे ।
- साहित्य के माध्यम से छात्र स्थापित शाश्वत जीवन-मूल्यों की प्रासंगिकता को समझते हुए साहित्य में कल्याणकारीभावनाओं का समावेश करेंगे ।
- छात्र साहित्य के विकासक्रम का अवलोकन करते हुए व्यष्टि एवं समष्टि के रूपाकार में कार्य को समुचित आकार प्रदान करेंगे ।

Programme Structure of M.A. Hindi

Semester – I						
Course Code	**Course Title**	**Type of Course**	**L**	**T**	**P**	**Credit**
MHD110	Hindi Sahitya Ka Itihas**:** Aadikal se purva Madhy kal tak	Core	4	0	0	4
MHD111	Bhartiya Kavyashastra	Core	4	0	0	4
MHD112	Bhakti Kavya	Core	4	0	0	4
MHD113	Prayojanmulak Hindi eva	Skill Based	2	0	0	2
MHD114	Anuvad Vigyan	Multi Disciplnary	3	0	0	3
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD116	Aadhunik kathetar Sahitya	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD107	Hindi Katha Sahitya					
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD108	Hindi Stri Lekhan evam Dalit Sahitya	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD115	Hindi Aalochana aur aalochak					
Total			**23**	**0**	**0**	**23**

Semester- II						
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credit**
MHD209	Hindi SahityaKaItihas : Uttar Madhyakal se aadhunikkaltak	Core	4	0	0	4
MHD210	Hindi BhashaVigyan	Core	4	0	0	4
MHD211	Aadhunik Hindi Kavya	Core	4	0	0	4
MHD212	SrijanatmakLekhan(Theory)	Core	3	0	0	3
MHD217	SrijanatmakLekhan (Practical)	Language Skill	0	0	2	1
MHD299	XXX	MOOC	0	0	0	2
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD214	RitiKavya	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD206	Punjab ka Hindi Sahitya					
Discipline Elective (Any one of the following)						
MHD207	Premchand (Vishesh Adhyayan)	Discipline Elective	3	0	0	3
MHD215	Mohan Rakesh(Vishesh Adhyayan)					
MHD216	Media Lekhan	VAC	2	0	0	2
Total			**23**	**0**	**2**	**26**

.

Semester–III						
Course Code	**Course Title**	**Course Type**	**L**	**T**	**P**	**Credits**
MHD310	Research Methodology	Core	4	0	0	4
MHD398	Research Proposal	Research based skill	0	0	8	4
MHD312	Ethics and IPR	Research Skill	3	0	0	3
MHD397	Proficiency in Teaching	Teaching Skill	2	0	0	2
MHD314	Computer Lab	Cybernetic Skill	0	0	4	2
MHD396	Service Learning	Community Linkage	0	0	4	2
MHD316	Koshvigyan	VAC	2	0	0	2
MHD399	XXX	MOOC	-	-	-	2
XXX	XXX	Open Elective	2	0	0	2
Total			**13**	**0**	**16**	**23**

Open Elective For others Departments						
OEC074	Samanya Hindi	Open Elective	2	0	0	2

Semester-IV						
Course Code	**Course Title**	**Course Type**				
			L	**T**	**P**	**Credit**
MHD401	Dissertation	Research Based Skill	--	--	--	20
MHD402	Punjab kiKavita (Surjeet Pater)	Ability Enhancement	1	**0**	0	1
Total			1	0	0	**21**

Continuous Assessment: [25 Marks]
CA1 – Surprise Test (Two best out of three) -(10 Marks)
CA2 – Assignment(s) (10 Marks}
CA3 – Term Paper/Quiz/Presentation (05 Marks)

Attendance**:** [5 marks]
Mid Semester Test: [30 Marks]
End-Term Exam: [40 Marks]

Semester - I

Course Title: हिंदी सहित्य का इतिहास : आदिकाल से पूर्व मध्यकाल तक

Course Code:MHD110

L	T	P	Credits
4	0	0	4

Total: 60 Hours

Course Outcomes

- युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल - विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
- आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।
- रासो काव्य परम्परा, सूफी दर्शन और उसकी विशेषता, हिंदी काव्य परम्परा में उसका विकास एवं विशिष्ट सूफी कवियों का परिचय प्राप्त कराना।।
- भक्ति साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।

Course Content

इकाई (क) हिंदी साहित्येतिहास लेखन परम्परा **15 hours**

हिंदी साहित्य का इतिहास- दर्शन
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
हिंदी सहित्योतिहास की आधारभूत सामग्री और उसके पुनर्लेखन की समस्याएँ
हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण

इकाई (ख) आदिकालीन हिंदी साहित्य **15 hours**

आदिकाल : पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ
रासो काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
सिद्ध साहित्य :परम्परा और प्रवृत्तियाँ
नाथ साहित्य :परम्परा और प्रवृत्तियाँ
जैन साहित्य :परम्परा और प्रवृत्तियाँ
अमीर खुसरो की हिंदी कविता
आदिकालीन गद्य साहित्य

इकाई (ग) निर्गुण भक्तिधारा **15 hours**

भक्ति आन्दोलन : उद्भव और विकास
हिंदी संतकाव्य का वैचारिक आधार
संतकाव्य परम्परा और प्रवृत्तियाँ (कबीर, नानक, दादू, रैदास)
हिंदी सूफी काव्य का वैचारिक आधार
सूफी काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ (कुतुबन, मंझन, जायसी)

इकाई (घ) सगुण भक्तिधारा **15 hours**

रामकाव्य : **परम्परा और प्रवृत्तियाँ**
रामकाव्य के **प्रमुख कवि**
कृष्ण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
कृष्ण काव्य : **प्रमुख कवि**

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गुप्त (डॉ.) गणपति चंद्र. "हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास" लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1991.*
- *डॉ. नगेन्द्र (सं) "हिंदी साहित्य का इतिहास" मयूर पेपरबैक्स : नोएडा, चौबीसवाँ संस्करण. 1999.*
- *शुक्ल, रामचंद्र, "हिंदी साहित्य का इतिहास" नागरी प्रचारिणी सभा : वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण. 2006.*
- *चतुर्वेदी, रामस्वरूप "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास" लोकभारती प्रकाशन: इलाहाबाद, नवम् संकरण, 1998.*
- *मंगललालचंद गुप्त "हिंदी साहित्य का इतिहास" यूनिवर्सिटी बुक सेंटर :कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999.*
- *राजे,(डॉ). सुमन "साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप', साहित्य सदन : कानपुर*
- *राजे,(डॉ). सुमन (1986). 'साहित्येतिहास आदिकाल', साहित्य सदन : कानपुर*

वेब सर्च :

- *https://mycoaching.in/hindi-sahitya*
- *https://hindishri.com/aadikal/*
- https://hindishri.com/category/hindi-sahitya-ka-itihas/%E0%A4%AD%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B2/

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code :MHD111

L	T	P	Credits
4	0	0	4

Total: 60 Hours

Course Outcomes

- छात्र भारतीय काव्यशास्त्र के **विकासक्रम को समझ सकेंगे |**
- छात्र शब्द-शक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- छात्र भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों **का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे** ।
- भारतीय काव्यशास्त्र अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय
काव्य का स्वरूप, काव्य का प्रयोजन,काव्य हेतु और काव्य भेद
काव्य गुण, काव्य दोष ,काव्य दोष का अन्तर्दर्शन

इकाई (ख) **15 hours**

शब्द शक्तियाँ :अभिधा शब्द शक्ति, लक्षणा शब्द शक्ति, व्यंजना शब्द शक्ति अलंकार सिद्धांत :मूल स्थापनाएँ,अलंकार का वर्गीकरण ,अलंकारों का विश्लेषण

इकाई (ग) **15 hours**

रस सिद्धांत : रस का स्वरूप,रस निष्पत्ति,रस के अंग,साधारणीकरण,सहृदय की अवधारणा रस की मधुमती भूमिका (केशव प्रशाद मिश्र)
रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति एवं शैली,प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई (घ) **15 hours**

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप,प्रमुख स्थापनाएँ,ध्वनि के भेद
वक्रोक्ति सिद्धांत :वक्रोक्ति की अवधारणा,वक्रोक्ति के भेद
औचित्य सिद्धांत :प्रमुख स्थापनाएँ और भेद

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *माचवे, प्रभाकर (1988)'हिंदी आलोचना अतीत और वर्तमान'हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.*
- *उपाध्याय, विश्वाम्भरनाथ. (2006) भारतीय काव्य शास्त्र. वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली.*
- *त्रिपाठी, राममूर्ति. (2005). भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.*
- *ती. न. श्रीकंठय्या. (2005). भारतीय काव्य मीमांशा. शब्दकार प्रकाशन , दरियागंज नई दिल्ली.*

- *अग्रवाल, निशा.(2014). भारतीय काव्यशास्त्र. लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *तिवारी, रामचंद्र. (2016). भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा .लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *वर्मा, हरिश्चन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र.हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली. विश्वविद्यालय*
- *देशपाण्डेय, जी. टी. भारतीय साहित्यशास्त्र.राजकमल एंड संस, कश्मीरी गेट दिल्ली.*

वेब सर्च

- *काव्यशास्त्र काव्य की परिभाषा-, प्रकार, अंग, लक्षण एवं गुण | Kavya Shastra in Hindi – ExamTricksAdda*
- *हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*
- *साहित्यालोचन....Saahityaalochan.... स)sahityalochan.com)*

Course Title: भक्ति काव्य
Course Code :MHD112

L	T	P	Credits
4	0	0	4

Total: 60 Hours

Course Outcomes

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में कबीर, तुलसी, जायसी एवं मीराबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
2. छात्रों को कबीर, तुलसी, जायसी, महावीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. हिंदी के भक्ति काव्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त कराना।
4. भारतीय काव्य के स्त्री स्वर का परिचय प्राप्त कराना।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं भक्ति विषयक संवेदना का विकास कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली. (केवल पद संख्या 175-200 तक)

इकाई (ख) **15 hours**

मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत – नागमती वियोग खण्ड

इकाई (ग) **15 hours**

तुलसीदास : कवितावली

इकाई (घ) **15 hours**

सूरदास : सूरसागर सार (सं. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि. जीरो रोड इलाहाबाद अब वाणी प्रकाशन में विलय)

1.विनय भक्ति के पद -1,2,3,4,5,21,22,25,29
2. गोकुल लीला पद-7,10, 12, 18, 20, 23, 26
3. उद्धव संदेश -41, 44, 53, 68, 69, 70, 81,

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2006.*
- *तुलसीदास, रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर 1995.*
- *जायसी, मालिक मोहम्मद, पद्मावत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1964.*
- *दास, श्याम सुन्दर, कबीर ग्रंथावली, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली 1989.*
- *सिंह, उदयभानु, तुलसीदास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1978.*

- *साही, विजयदेव नारायण,जायसी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद*
- *रघुवंश,जायसी : एक नयी दृष्टि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1994.*
- *वर्मा, धीरेन्द्र, सूरसागर सार, साहित्य भवन, इलाहाबाद,*
- *शुक्ल, रामचंद्र, त्रिवेणी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी*

वेब सर्च :

- *https://www.vyakarangyan.com/2021/12/madhya-kalin-hindi-pramukh-rachnakar.html*
- *https://hi.thpanorama.com/articles/literatura/literatura-medieval-orgenes-caractersticas-representantes-y-obras.html*
- *https://ignca.gov.in/coilnet/jaysi012.htm*

Course Title: **प्रयोजनमूलक हिंदी एवं सम्प्रेषण कौशल**
Course Code: **MHD113**

L	T	P	Credits
2	0	0	2

Total: 30 Hours

Course Outcomes:

1. छात्रों को हिंदी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियों और प्रयोजनमूलक शैलियों का परिचय होगा।
2. छात्रों में विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी कार्य करने एवं नवीन प्रयोग की कुशलता विकसित होगी।
3. सम्प्रेशण कौशल की सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।
4. छात्र भाषा सम्प्रेषण के अंतर्गत साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन से परिचित हो सकेंगे।

Course Content

इकाई (क) **8 hours**

हिंदी के विभिन्न रूप : मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, सम्पर्क भाषा एवं सर्जनात्मक भाषा का अंतर

कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूप लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण का सिद्धांत

इकाई (ख) **7 hours**

जनसंचार :प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप –मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट

हिंदी कंप्यूटिंग :कंप्यूटरपरिचय, रूपरेखा और उपयोग

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों का रूपान्तरण

इकाई (ग) **8 hours**

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व

सम्प्रेषण के प्रकार

सम्प्रेषण के माध्यम

इकाई (घ) **7 hours**

भाषा सम्प्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

भावार्थ और व्याख्या, आशुलेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *तिवारी, भोलनाथ (डॉ.), भाषा विज्ञान", किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951.*
- *रेमंड्स विलियम्स , संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, ग्रन्थ शिल्पी प्रकाशनप्रा.लि., नई दिल्ली,2007.*
- *घोदरे, विनोद प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन : दिल्ली 1998.*
- *शर्मा, देवेन्द्रनाथ,, राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन 2001.*
- *गुप्त, दिनेश, प्रयोजनमूलक हिंदी राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली 1989.*
- *दीक्षित, सूर्य प्रसाद, जन पत्रकारिता, जनसंचार, संजय प्रकाशन : दिल्ली 2002.*

वेब सर्च :

- *https://www.mpgkpdf.com/2021/09/what-is-functional-hindi.html*
- *https://www.mjprustudypoint.com/2021/10/prayojanmulak-hindi-arth-vikas-warop.html*
- *https://www.hindikeguru.com/2022/03/prayojanmulak-hindi-ki-avdharna-dishayen.html*

Course Title: **अनुवाद विज्ञान**
Course Code :MHD114

L	T	P	Credits
2	0	0	2

Total: 30 Hours

Course Outcomes

1. परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं व्याप्ति की जानकारी प्राप्त होगी।
2. विधि रूप तथा अनुवाद प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
3. सामाजिक, सांस्कृतिक पक्ष से अवगत हो सकेंगे।
4. अनुवाद में आने वाली विभिन्न समस्याएँ तथा उनके समाधान से परिचित हो सकेंगे।

Course Content

इकाई (क) **8 hours**

अनुवाद : परिभाषा, क्षेत्र, महत्त्व, प्रक्रिया, अनुवाद और अनुसृजन में अंतर अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति अनुवाद में समतुलता का ,अनुवाद की इकाई, शब्द पदबन्ध, वाक्य पदबन्ध

इकाई (ख) **7 hours**

अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार अनुवादक के गुण, द्विभाषियों की भूमिका
अनुवाद के प्रकार : कार्यलयी, वैज्ञानिकी एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञानं आदि,अनुवाद की समस्याएँ, सृजनात्मक, कार्यलयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिकी अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ.

इकाई (ग) **7 hours**

पाठ की अवधारणा और प्रकृति पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत विविध प्रकार, आवश्यकता एवं महत्त्व

इकाई (घ) **8 hours**

पाठ : शब्द, प्रति शब्द : शाब्दिक अनुवाद साहित्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद तथा काव्यानुवाद

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *बोरा, राजकमल (2001) अनुवाद क्या है, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *भाटिया, कैलाश चन्द्र (1998) भारतीय भाषाएँ हिन्दी अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान, नई दिल्ली*
- *आरसु, (2002) साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *धवन, मधु (1997) भाषान्तरण कला, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *गोपीनाथन जी (1989) अनुवाद एवं सिद्धांत प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *गुप्ता (डॉ.) गार्गी, अनुवाद(पत्रिका) : भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली*

Course Title: **आधुनिक कथेतर साहित्य**
Course Code : **MHD116**

L	T	P	Credits
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcomes

1. निबंध के स्वरूप विकास एवं उनके प्रकार का परिचय प्राप्त होगा। रामचंद्र शुक्ल एवं आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध कौशल का परिचय प्राप्त होगा।
2. नाटक के स्वरूप एवं हिंदी नाटक की विकास-यात्रा का परिचय प्राप्त होगा। जयशंकर प्रसाद के नाट्य कौशल से परिचित होंगे।
3. आत्मकथा और जीवनी के हिंदी स्वरूप से परिचय के साथ-साथ छात्रों को शरद्चंद्र (आवारा मसीहा) के रचनात्मक व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

इकाई (क) **10 hours**

निबंध की परिभाषा और स्वरूप विश्लेषण
निबंध के प्रकार एवं उसके विश्लेषण
1.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(क) कविता क्या है?
(ख) भाव अथवा मनोविकार
2.आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(क) कुटज
(ख) अशोक के फूल

इकाई (ख) **12 hours**

नाटक का अर्थ ,परिभाषा एवं स्वरूप- विश्लेषण
हिंदी नाटक की विकास यात्रा चन्द्रगुप्त- जयशंकर प्रसाद

इकाई (ग) **12 hours**

यात्रा वृत्तान्त का स्वरुप और विश्लेषण
चीड़ों पर चांदनी -निर्मल वर्मा

इकाई (घ) **11 hours**

हिंदी आत्मकथा का स्वरूप, विश्लेषण एवं आधुनिक आत्मकथा के स्वर
जीवनी: स्वरूप विश्लेषण एवं हिंदी साहित्य में उसकी उपस्थिति आवारा मसीहा-विष्णु प्रभाकर

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

1. प्रसाद, जयशंकर, चन्द्रगुप्त, प्रसाद प्रकाशन मंदिर, गोवेर्धन सराय, वाराणसी
2. *टंडन, हरिप्रसाद, हिंदी निबंध और निबंधकार, बिहार हिंदी अकादमी, पटना, 2002.*
3. *मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद,**(2014)** चिंतामणि-1 मंजूषा सहित. इन्डियन प्रेस, इलाहाबाद.*
4. *शर्मा, राजमणि काशी की माटी बलिया का बिरवा, संजय बुक सेंटर : वाराणसी, 1994.*
5. *शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली **1998.***
6. *शर्मा,शिवकुमार,हिंदी साहित्य युग औरप्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली, **2002.***
7. *साहनी, भीष्म, तमस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, **1995.***
8. *वर्मा, निर्मल, चीड़ों पर चांदनी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली*
9. *प्रभाकर, विष्णु, आवारा मसीहा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली*

वेब सर्च :

- *https://mycoaching.in/munshi-premchand-ka-jivan-parichay*
- *https://jivanihindi.com/bhisham-sahni/*
- *https://gyanpur.in/%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6%E0%A5%80-%E0%A4%97%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%AF-%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF-%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%87%E0%A4%A4/*

Course Title: **हिंदी कथा साहित्य**
Course Code: **MHD107**

L	T	P	Credits
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcomes

1. छात्रों को युगीन सामाजिक**,** राजनैतिक**,** धार्मिक साहित्यिक परिस्थितियों की का विधात्मक परिचय होगा।
2. हिंदी कथा-साहित्य का तात्त्विक परिचय होगा ।
3. कहानी और उपन्यास के विकास-क्रम की जानकारी होगी ।
4. कथा साहित्य के आस्वादन**,** अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढ़ेगी।

Course Content

इकाई (क) **11 hours**

कहानी:स्वरूप,विश्लेषण,विकास का भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य
1.उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2.ठाकुर का कुआँ-प्रेमचन्द
.

इकाई(ख) **11 hours**

समकालीन हिंदी कहानी: स्वरुप एवं विश्लेषण
1.पाजेब- जैनेन्द्र
2. राजा निरबंसिया-कमलेश्वर
3.सिक्का बदल गया-कृष्णा सोबती
4. आभी-एस. आर. हरनोट
5. सलाम-ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई (ग) **11 hours**

हिंदी उपन्यास: स्वरुप विश्लेषण और विकास यात्रा
मैला आँचल-फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई(घ) **12 hours**

समकालीन हिंदी उपन्यास
1. बाणभट्ट की आत्मकथा-हजारी प्रसाद द्विवेदी
2.रागदरबारी-श्रीलाल शुक्ल
दलित विमर्श और हिंदी उपन्यास

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *मदान, इन्द्रनाथ, हिंदी कहानी : पहचान और परख, लोकभारती प्रकाशन : दिल्ली. 1998*
- *कमलेश्वर, नई कहानी की भूमिका, अक्षर प्रकाशन : दिल्ली. 2019*
- *श्रीवास्तव, परमानन्द, हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया, राजकमल प्रकाशन : दिल्ली, 2004.*
- *शर्मा, जगन्नाथ प्रसाद, कहानी का रचना-विधान, राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली. 2002*
- *सिंह, नामवर, कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन : दिल्ली. 2005*
- *गुप्त शम्भू, कहानी, वाणी प्रकाशन : नई दिल्ली, 2016.*
- *चौधरी, सुरेन्द्र, कहानी की रचना प्रक्रिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994.*
- *यादव, राजेन्द्र. सम्पादक- भूमिका एक दुनिया समानान्तर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012.*
- *मिश्र, रामदरश, हिंदी उपन्यास : विकास यात्रा*
- *राय, गोपाल, हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *सिंह, पुष्पपाल, इक्कीसवीं सदी का हिंदी उपन्यास,*
- *सिंह, मधुरेश, हिंदी उपन्यास का विकास,*

वेब सर्च :

- *https://hindishri.com/hindi-sahitya-ki-kahaniya/*
- *https://www.iasbook.com/hindi/hindi-katha-sahitya/*
- *https://www.hindikahani.hindi-kavita.com/Hindi-Upanyas.php*

Course Title: **हिंदी में स्त्री-विमर्श एवं दलित विमर्श**
Course Code: **MHD108**

L	T	P	Credits
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcomes

1. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनैतिक, साहित्यिक, साहित्यिक स्थितियों की कथा साहित्य के सन्दर्भ में जानकारी होगी ।
2. हिंदी कथा साहित्य का विधात्मक परिचय होगा ।
3. कहानी और उपन्यास के विकास क्रम की जानकारी होगी ।
4. उपन्यास, कहानी के तात्त्विक स्वरूप, विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में कथा साहित्य के आस्वादन, अध्ययन एवं मूल्याङ्कन की क्षमता बढ़ेगी ।

Course Content

इकाई(क) स्त्री विमर्श- **13 hours**

परिभाषा एवं स्वरूप
परम्परा और विकास
महत्त्व और विशेषताएँ

इकाई (ख) प्रमुख स्त्री विमर्श की रचनाएँ **12 hours**

मीराबाई पदावली -प्रथम 15 पद
(सं. परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मलेन प्रयाग, रामबाग प्रयाग)
शृंखला की कड़ियाँ - महादेवी वर्मा
(लोकभारती प्रकाशन, सिविल लाइंस, इलाहाबाद)
कठगुलाब - मृदला गर्ग
(भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई (ग) दलित विमर्श **10 hours**

परिभाषा और स्वरुप
परम्परा और विकास
महत्त्व और विशेषताएं

इकाई (घ) प्रमुख दलित रचनाएँ **10 hours**

झुण्ड-शरणकुमार लिम्बाले
वह लड़की-सुशीला टाकभौरे
कहानियाँ
अम्मा-ओमप्रकाश..वाल्मीकि
हक्काई-एस.आर.हरनोट
आत्मकथा: मुर्दहिया-तुलसीराम

दोहरा अभिशाप-कौशल्या वैशम्बी

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य पुन्नी सिंह,कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा,प्रकाशक-वाणी प्रकाशक, दिल्ली 2008*
- *लिंबाले, शरण कुमार, दलित साहित्य का समाजशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2012*
- *दलित चेतना की कहानियाँ: बदलती परिभाषाएँ, वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2018*
- *पालीवाल, कृष्णदत्त, दलित साहित्य बुनियादी सरोकार, वाणी प्रकाशक, नई दिल्ली 2012*
- *खेतान,प्रभा(अनुवाद) स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउआर, सरस्वती प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली2008.*
- *निवेदिता मेनन,औरत की निगाह से,राजकमल प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं.2021.*
- *शर्मा, नासिरा,औरत के लिए औरत, सामयिक प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं.2010.*
- *यादव, राजेन्द्र, आदमी की निगाह में औरत,राजकमल प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं. 2010*
- *मेरी वोल्सटन क्राफ्ट,स्त्री अधिकारों का औचित्य, राजकमल प्रकाशन दरियागंज,नई दिल्ली सं. 2014*
- *गुप्ता, उर्मिला, स्वातंत्रोयोत्तर कथा लेखिकाएँ, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली 2008*
- *अग्रवाल, रोहिणी, स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.*
- *लिंबाले, शरण कुमार, झुण्ड, वाणी प्रकाशन, 21 दरियागंज, नई दिल्ली.*
- *टाकभौरे, सुशीला, वह लड़की, वाणी प्रकाश21 दरियागंज, नई दिल्ली.*

वेब सर्च :

- *https://www.hindwi.org/ebooks/dalit-sahitya-ki-avdharna-aur-premchand-ebooks?gclid=EAIaIQobChMIr5TE6Ovd_gIVSZhmAh00XAyJEAAYASAAEgIBR_D_BwE*
- *https://www.bbc.com/hindi/india/2013/09/130912_hindi_special_dalit_sahitya_akd*
- *https://hi.wikibooks.org/wiki/%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%*
- *8D%E0%A4%A6%E0%A5%80_%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E*

Course Title: **हिंदी आलोचना और आलोचक**
Course Code: **MHD115**

L	T	P	Credits
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcomes

1. छात्रों को आलोचना के परिचय स्वरूप से परिचित कराना।
2. हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से अवगत कराना।
4. विविध आधुनिक आलोचना पद्धतियों का परिचय एवं उनकी उपयोगिता का ज्ञान।

Course Content

इकाई(क) **10 hours**

आलोचना का अर्थ एवं प्रकार
आलोचक के गुण
आलोचना का उद्देश्य
हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि

इकाई(ख) **12 hours**

आचार्य रामचंद्र शुक्ल के पूर्व हिंदी आलोचना एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल
आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका अवदान , अन्य आचार्यों के निजी अनुभव
आचार्य रामचंद्र शुक्ल : युगीन आलोचना :उपलब्धि एवं सीमा

इकाई(ग) **13 hours**

प्रमुख आलोचक :आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,केशव प्रसाद मिश्र,शिवदान सिंह चौहान,अमृत राय,रामविलास शर्मा,नामवर सिंह,रामस्वरूप चतुर्वेदी मैनेजर पाण्डेय

इकाई(घ) **10 hours**

प्रमुख आलोचना पद्धतियाँ : प्रगतिशील, पाठवादी आलोचना, पाठकवादी आलोचना, नई समीक्षा, यथार्थवाद ,उत्तर यथार्थवाद ,जादुई यथार्थवाद ,मनोविश्लेषणवादी आलोचना, संरचनावाद, विखंडनवाद, अस्तित्ववादी आलोचना ,अनियन्त्रण का युग और उसकी परिणति |

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन हेतु सहायक पुस्तकों की सूची :

- *नवल, नन्दकिशोर (2011) हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली,.*
- *शर्मा, रामविलास (सं. 2005) आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *सिंह, नामवर सिंह (2019) दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*

- *जैन, निर्मला (2009) बीसवीं सदी की हिंदी आलोचना, वाणी प्रकाशन, 21 दरियागंज, नई दिल्ली.*
- *राजपाल, हुकुमचंद, (2003) समकालीन हिंदी समीक्षा, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली*
  - *मदान, इन्द्रनाथ, (सं.2008) आलोचना और साहित्य, लोक भारती प्रकाशन: इलाहाबाद*
  - *तिवारी, रामचंद्र, (2012) हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन: वाराणसी*
  - *सिंह, रामलाल (1984) समीक्षादर्शन, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद.*
- *नारंग, गोपीचंद (2003) संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्यकाव्यशास्त्र, साहित्य अकादमी : नई दिल्ली.*
- *शिवरुद्रप्पा, जी. एस. अनु भालचन्द जय शेट्ठी (2007) काव्यार्थ चिंतन, साहित्य अकादमी : नई दिल्ली.*

वेब सर्च :

हिंदी साहित्य के समकालीन आलोचक और आलोचना ग्रंथ -HINDI SARANG

हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)

हिंदी आलोचना -IASbook

Semester 2

Course Title: **हिंदी सहित्य का इतिहास :उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक**

Course Code: MHD209

L	T	P	Credits
4	0	0	4

Total: 60 Hours

Course Outcomes

1. युगीन परिस्थितियों सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक साहित्यिक और आर्थिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के काल विभाजन तथा नामकरण का ज्ञान होगा।
2. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त, आधुनिक काल, भारतेन्दु, द्विवेदी युग, छायावादी युग साहित्य के प्रभाव से छात्र अवगत हो सकेंगे।
3. छात्र आधुनिकीकरण की प्रक्रिया, भारतीय नवजागरण, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, जनवाद, दलित चिन्तन, स्त्री चिन्तन आदि से परिचित होंगे।
4. हिंदी पत्रकारिता एवं उसके विकास की प्रक्रिया से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

1. रीतिकाल :सामाजिक,सांस्कृतिक एवं कलात्मक परिप्रेक्ष्य
2. रीतिकाल का नामकरण
3. भक्तिकाल से रीति में संक्रमण के घटक तत्त्व
4. रीति काव्य का विकास और कविता में शिल्प का बढ़ता हुआ आग्रह |
5. दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थ परम्परा
6. रीतिकवियों का आचार्यत्व
7. रीतिकाल के प्रमुख कवि केशव,बिहारी,भूषण,देव,पद्माकर,मतिराम, घनानन्द,आलम

इकाई (ख) **13 hours**

1. रीतिकाव्य में लोकजीवन
2. रीतिबद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
3. रीतिसिद्ध काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
4. रीतिमुक्त काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
5. रीतिकालीन वीर काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ
6. रीतिकालीन नीति काव्य : सामान्य प्रवृतियाँ

इकाई (ग) **17 hours**

1. आधुनिकता की अवधारणा,विकास और भारतीय नवजागरण
2. भारतेन्दु और उनका काव्य
3. भारतेन्दु और उनका मण्डल
4. द्विवेदी युगीन काव्य और सामान्य प्रवृतियाँ
5. राष्ट्रीय काव्यधारा :प्रमुख कवि और काव्य

6. छायावादी काव्य :(प्रसाद,पंत, निराला,महादेवी वर्मा) सामान्य प्रवृतियाँ
7. प्रगतिवादी काव्य :परम्परा और प्रवृतियाँ
8. प्रयोगवाद :कवि और काव्य
9. जनवादी काव्य
10. दलित और स्त्री स्वर

भाग (घ) **15 hours**

1. हिंदी पत्रकारिता :उद्भव और विकास
2. हिंदी नाटक :उद्भव और विकास
3. हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास
4. उपन्यास, निबंध, आलोचना, रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य, लोक साहित्य, डायरी : उद्भव और विकास
5. रिपोर्ताज : उद्भव और विकास

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह-चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गुप्त (.डॉ), गणपति चंद्र हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम् संस्करण, 1999.*
- *सिंह, बच्चन (2008) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास , राधाकृष्ण प्रकाशन: नई दिल्ली.*
- *नगेंद्र (सं(.डॉ), हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, नोएड़ा, चौबीसवाँ संकरण, 1997*
- *फ्रेंक ई. के, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वाराणसी : लोकायत प्रकाशन. वाराणसी*
- *शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण, 2056*
- *चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नवम् संकरण, 1998.*
- *गुप्त, मंगल लालचंद, हिंदी साहित्य का इतिहास, यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999.*
- *शर्मा, जगन्नाथप्रसाद, हिंदी की गद्य शैली का विकास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी*

वेब सर्च :

- *https://hindishri.com/ritikal-ka-namkaran-vibhajan-pravartak/*
- *https://hindishri.com/ritibadh-kavi-aur-rachnaye-part-1/*
- *https://hindishri.com/aadhunik-kaal-aur-bharatendu-harishchandra/*
- *https://hindishri.com/chhayavaad-aur-jaishankar-prasad-unki-rachnaye/*

Course Title: हिंदी भाषा विज्ञान
Course Code :MHD210

L	T	P	Credts
4	0	0	4

Total: 60 Hours

Course Outcomes

1. भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों एवं विभिन्न शाखाओं एवं हिंदी के विविध रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. हिंदी के ध्वन्यात्मक वैशिष्ट्य का परिचय प्राप्त होगा।
3. स्वनों का गंभीर विश्लेषण संभव होगा।
4. भाषा में अर्थ के अनेक स्तरों का परिचय होगा।

Course Content

इकाई (क) **17 hours**

भाषा और भाषा विज्ञान :

भाषा का अर्थ, स्वरूप और परिभाषा
भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य
भाषा विज्ञान : स्वरूप, परिभाषा
भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ, वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक आदि
साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता
भारोपीय परिवार : महत्त्व एवं शाखाएं

इकाई (ख) **13 hours**

स्वन विज्ञान :

स्वन विज्ञान का स्वरूप, अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण और परिवर्तन
स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिमि की अवधारणा
स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण

इकाई (ग) **18 hours**

ध्वनि विज्ञान :

ध्वनियों का वर्गीकरण एवं ध्वनि परिवर्तन के कारण
ध्वनि तंत्र, ध्वनि नियम, ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, बर्नर नियम।

इकाई (घ) **12 hours**

वाक्य विज्ञान :

अर्थ परिवर्त्तन
अर्थ परिवर्त्तन की दिशाएँ, प्रकार
अर्थपरिवर्त्तन के कारण।

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *तिवारी भोलनाथ . **हिंदी भाषा**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1966.*
- *तिवारी भोलनाथ. **भाषा विज्ञान**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951.*
- *शास्त्री रामचंद्र वर्मा एवं डॉ. माया अग्रवाल, **भाषा-विज्ञान एवं हिंदी भाषा**, अनीता प्रकाशन, दिल्ली, 1994.*
- *द्विवेदी, कपिल देव, भाषा और भाषा विज्ञान, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी*
- *बाहरी हरदेव.**हिंदी : उद्भव, विकास और रूप**, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 1965.*
- *सिंह, हरदेव. **अर्थ विज्ञान**. मैकमिलन प्रा. लि. : दरियागंज , नई दिल्ली.*
- *वर्मा, धीरेन्द्र, भाषा विज्ञान,हिन्दुस्तानी अकेडमी, आजाद पार्क, इलाहाबाद, 1958.*
- *त्रिपाठी, रामदेव, भारतीय भाषा विज्ञान की परम्पर, राष्ट्रभाषा परिषद, पटना,1973.*
- वेब सर्च :

https://hi.wikibooks.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE_%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A5%8D%E0%A4%9E%E0%A4%BE%E0%A4%A8_%E0%A4%94%E0%A4%B0_%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6%E0%A5%80_%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A5%8D%E0%A4%9E%E0%A4%BE%E0%A4%A8_%E0%A4%95%E0%A5%87_%E0%A4%85%E0%A4%82%E0%A4%97

https://www.mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2021/Mar/4_03-02-2021_11-42-36_Bhasa%20Vigyan%20avem%20Hindi%20Bhasa-1%20%20(Paper%20code-20HND21C4).pdf

https://www.kailasheducation.com/2021/06/bhasha-vigyan-arth-paribhasha-

Course Title: **आधुनिक हिंदी काव्य**
Course Code : MHD211

L	T	P	Credits
4	0	0	4

Total: 60 Hours

Course Outcomes:

1. छात्रों को आधुनिकता एवं आधुनिक का काव्य प्रवृतियों का परिचय प्राप्त होगा।
2. छात्रों को छायावादी काव्य के अध्ययन से भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन उसकी, प्रतिच्छाया एवं भावों के सूक्ष्म विश्लेष्ण का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. छायावादीहिंदी कविता के भावात्मक उत्कर्ष एवंकाव्य भाषा की उपलब्धियों का ज्ञान होगा।
4. हिंदी कविता के विविध भावधारा के उत्सबिंदु एवं गीत –नवगीतका परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

इकाई (क) **15 hours**

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग), व्याख्या/अंतर्वस्तु
राष्ट्रीय भावधारा का विकास और मैथिलीशरण गुप्त
अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध : प्रिय प्रवास,व्याख्या/अंतर्वस्तु

इकाई (ख) **16 hours**

जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिन्ता, लज्जा सर्ग) व्याख्या/अंतर्वस्तु
सुमित्रानंदन पन्त : नौका विहार: व्याख्या/अंतर्वस्तु

इकाई (ग) **14 hours**

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :राम की शक्ति पूजा,सरोज स्मृति,व्याख्या/अंतर्वस्तु

इकाई (घ) **15 hours**

अनुभूति की सान्द्रता और महादेवी के गीत – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, कौन तुम मेरे हृदय में, विरह का जलजात जीवन, ज्योतिष्मती (सप्तपर्णा से) बोध, आज यज्ञशाला का खोलो द्वार, अभय
रामधारी सिंह दिनकर :सौन्दर्य एवं पराक्रम के कवि, कुरुक्षेत्र –पंचम सर्ग

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *मुक्तिबोध, गजानन माधव, कामायनी : एक पुनर्विचा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *नगेन्द्र, साकेत : एक अध्ययन, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस : दिल्ली 1998.*
- *शर्मा, रामविलास निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 1989.*
- *शर्मा, हरीश, कामायनी कोश, अमित प्रकाशन, कविनगर गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश*
- *सिंह, द्वधनाथ, निराला : एक आत्महंता आस्था, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद 2002.*
- *शर्मा, कमलेश, पद्मसिंह, निराला , राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली 1998.*

- *सिंह, बैजनाथ, नई कविता का इतिहास, संजय प्रकाशन : दिल्ली 1977.*
- *सिंह, रामलाल, कामायनी अनुशीलन, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद, 1958.*

वेब सर्च :

- *आधुनिक हिन्दी कविता का विकास | आधुनिक हिन्दी कविता प्रवृत्तियां/विशेषताएँ (sarkariguider.in)*
- *जयशंकर प्रसाद की कामायनी | हिन्दीकुंज,Hindi Website/Literary Web Patrika (hindikunj.com)*
- *छायावाद अर्थ:, परिभाषा व प्रवृत्तियां)Chhayavad : Arth, Paribhasha V Pravrittiyan) (dccp.co.in)*

Course Name :सृजनात्मक लेखन
Course Code : MHD212

L	T	P	Cr
1	0	0	1

Total: 15 Hours

Course Outcomes

1. छात्र सृजनात्मक लेखन की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से अवगत हो सकेंगे।
2. छात्र कविता के स्वरूप में सृजन प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।
3. छात्र कथा साहित्य के स्वरूप एवं कहानी, उपन्यास, लघुकथा आदि की रचना प्रक्रिया के विविध-स्तरों से परिचित होंगे।
4. छात्र रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, नाटक आदि की रचना-प्रक्रिया एवं प्रस्तुतिकरण से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **3 hours**

सृजनात्मक लेखन स्वरूप और सिद्धांत
विभिन्न साहित्यिक विधाओं में सृजनात्मक लेखन (गद्य और पद्य रूप)
काव्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (मुक्तक काव्य ,प्रबंध काव्य)
कथात्मक गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय (उपन्यास ,लघुकथा ,कहानी)
अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय ,रेखाचित्र ,रिपोर्ताज ,निबंध ,नाटक ,आत्मकथा ,जीवनी) (व्यंग्य ,डायरी ,यात्रा साहित्य ,संस्मरण

इकाई (ख) **4 hours**

कविता का विश्लेषण एवं सृजन प्रक्रिया
काव्य भाषा : स्वरूप विश्लेषण एवं तकनीकी भाषा में अंतर
सृजनात्मक लेखन रचना कौशल : (काव्य)
काव्य सृजन

इकाई (ग) **4 hours**

सैद्धांतिक स्वरुप :

1. कथा साहित्य के विभिन्न विधाएँ सैद्धांतिक :स्वरूप(उपन्यास ,लघुकथा ,कहानी)
2. कहानी व लघुकथा लेखन : सिद्धांत एवं स्वरूप ,लघु कथा आन्दोलन
3. उपन्यास लेखन : पश्चिमी एवं भारतीय दृष्टि

इकाई (घ) **4 hours**

साहित्य की विभिन्न विधाओं का सैद्धांतिक स्वररूप :

- नाट्य लेखन
- निबंध लेखन
- जीवनी एवं आत्मकथा लेखन
- रिपोर्ताज़ लेखन
- रेखाचित्र और संस्मरण लेखन

- व्यंग्य लेखन
- हाइकू

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *गौतम, रमेश, रचनात्मक लेखन, 2008, प्रथम संस्करण, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *अरोड़ा, हरीश, सृजनात्मक लेखन, 2014, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली*
- *आचार्य नंदकिशोर, साहित्य का उद्देश्य, सूर्य प्रकाश, बीकानेर*
- *जगूड़ी, लीलाधर, रचना प्रक्रिया से जूझते हुए, वाणी प्रकाशन, दिल्ली*
- *त्रिपाठी, विश्वनाथ, देश के इस दौर में, 2000, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *वर्मा, निर्मल, कला के जोखिम, 1981, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *मिश्र, विद्यानिवास, साहित्य के सरोकार, 2007, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *प्रसाद, श्री विश्वनाथ, रचना के सरोकार, 1987, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*
- *शुक्ल, रामचंद्र, चिंतामणि, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2012*
- *सिंह, राकेश कुमार (संपादक), समकालीन गीत का आत्म संघर्ष, युगांतर प्रकाशन : नई दिल्ली*

वेब सर्च :

- *सर्जनात्मक लेखन) विकिपीडिया -wikipedia.org)*
- *सृजनात्मकता (Creativity) - अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, विकास, पहचान एवं मापन)mycoaching.in)*
- *साहित्यिक विधाएँसी हैं वर्तमान-साहित्य में वे क्या हैं और कौन : साहित्य (actualidadliteratura.com*

Course Title: समकालीन हिंदी काव्य
Course Code: MHD213

L	T	P	Cr
2	0	0	2

Total: 30 Hours

Course Outcomes

1. छात्र प्रगतिवाद की विशेषताओं और - काव्यानुभूति के पृथक्- पृथक् स्तरों से अवगत होंगे।
2. छात्र प्रयोगवाद के अंतर्दर्शन एवं काव्यानुभूति से अवगत हो सकेंगे।
3. छात्र स्वातंत्रयोत्तर कविता के मोहभंग के स्वर से परिचित होंगे।
4. छात्र समकालीन भावभूमि एवं कविता में स्त्री स्वर से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **7 hours**

प्रयोगवाद हिंदी कविता में :मध्यवर्ग की उपस्थिति एवं युगीन दंश
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय :असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार,

इकाई (ख) **7 hours**

मुक्ति की आकांक्षा और प्रगति का पथ : प्रगतिशील हिंदी कविता :
मुक्तिबोध :अंधेरे में

इकाई (ग) **8 hours**

सत्ता के प्रतिपक्ष में प्रगतिशील स्वर :नागार्जुन और केदारनाथ अग्रवाल
केदारनाथ अग्रवाल: जो शिलाएँ तोड़ते हैं, मैंने उसको जब जब देखा
नागार्जुन: बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, उनको प्रणाम
श्रीकांत वर्मा : मगध, जलसाघर

इकाई (घ) **8 hours**

आधुनिकता का दबाव और कविता का बदलता परिवेश
केदारनाथ सिंह –बनारस, बाघ
कात्यायनी -इस स्त्री से डरो, दाहक, जीवन दाह, सात भाइयों के बीच चम्पा, गार्गी

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- मुक्तिबोध, कविता का आदम बिम्ब
- *मिश्र, कृष्ण मुरारी (1971) अध्ययन और मुक्तिबोध की कविता. राधाकृष्ण प्रकाशन : दरियागंज, नई दिल्ली.*

- *सिंह, केदारनाथ (2001) आधुनिक हिंदी कविता में बिंब-विधान. राधाकृष्ण प्रकाशन : दरियागंज, नई दिल्ली*
- *सिंह, नामवर,2005, कविता के नए प्रतिमान. राजकमल प्रकाशन: नई दिल्ली. शर्मा, रामविलास. नई कविता और अस्तित्ववाद. राजकमल प्रकाशन: नई दिल्ली.*
- *जैन , निर्मल, 1977 नयी समीक्षा के प्रतिमान. नेशनल पब्लिशिंग हाउस: नई दिल्ली.*
- *कुमार, जगदीश,1976, नई कविता: विलायती संदर्भ संमार्ग प्रकाशन.*
- *शर्मा , रामविलास)1984 (मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य. वाणी प्रकाशन: दरियागंज, नई दिल्ली*
- *त्रिपाठी, अनिल)2007 (मिट्टी की रोशनी शिल्पायन प्रकाशन : शाहदरा, दिल्ली*
- *त्यागी, सुरेशचंद्र . नागार्जुन : आशिर प्रकाशन . सहारनपुर*
- *सिंह योगेंद्र. भारतीय परंपराओं का आधुनिकीकरण रावत प्रकाशन: नई दिल्ली*
- *शर्मा, रामविलास प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवालपरिमल प्रकाशन , इलाहाबाद*

Course Title : रीति काव्य
Course Code: MHD214

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcomes

1. रीति काव्य का परिचय प्राप्त होगा ।
2. काव्य रचना की विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान होगा।
3. मध्यकालीन भारतीय दरबारी संस्कृति यों का ज्ञान प्राप्त होगा ।
4. मध्यकालीन काव्यात्मक अवदानों से परिचित होंगे ।

Course Content

इकाई (क) **12 hours**

रीति काव्य का परिचय एवं विशेषताएँ
रीतिकाव्य की सामाजिक पृष्ठभूमि एवं भक्तिकाव्य का रीति काव्य में संक्रमण
रीतिकाव्य की उपलब्धियां

इकाई (ख) **13 hours**

रीतिबद्ध काव्य के प्रमुख कवि एवं इनके प्रमुख काव्य विशेषताएँ
केशवदास : रामचंद्रिका

इकाई (ग) **10 hours**

रीति सिद्ध काव्य के प्रमुख कवि एवं काव्य विशेषताएँ
बिहारी: बिहारी सतसई (25 दोहे)

इकाई (घ) **10 hours**

रीति मुक्त काव्य के प्रमुख कवि एवं काव्य विशेषताएँ
घनानन्द –घनानंद कवित्त (प्रारंभिक15 कवित्त)

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची :

- *सिंह, डॉ. त्रिभुवन, महाकवि मतिराम, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी*
- *सिंह, विजयपाल, केशव का आचार्यत्व, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस : नई दिल्ली.1994.*
- *शर्मा शिव कुमार , हिंदी साहित्य युग और प्रवित्याँ, अशोक प्रकाशन दिल्ली 2001.*
- *बाहरी, हरदेव, सूर सागर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1998.*
- *चतुर्वेदी परशुराम, मीराबाई की पदावली,हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1995.*
- *सिंह, बच्चन, बिहारी का नया मूल्यांकन,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली1987.*

- *गुप्त, गणपति चंद्र, हिंदीसाहित्य का वैज्ञानिक इतिहास,दो भाग,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1999.*

वेब सर्च

- https://abhivyakti.life/2020/10/12/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE-%E0%A4%8F%E0%A4%B5%E0%A4%82-%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%E0%A4%BF-%E0%A4%95%E0%A5%87-%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B8/
- *https://m.sahityakunj.net/entries/view/bhartiya-sahitya-mein-anuvad-kee-bhoomika*
- *https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/MA-Hindi-Final-Paper-IX.pdf*

Course Title:पंजाब का हिंदी साहित्य
Course Code:MHD206

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcomes

1. छात्र साहित्यकार के रूप में भीष्म साहनी, गुरु तेग बहादुर, कृष्णा सोबती के साहित्यिक व्यक्तित्व से परिचित होंगे।
2. युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में भीष्म साहनी, गुरु तेग बहादुर, कृष्णा सोबती की काव्य कृतियों के मर्म को जान सकेंगे।
3. निर्धारित प्रमुख रचनाओं के सूक्षम अध्ययन तथा अन्य कृतियों के सामान्य अध्ययन के माध्यम से कवि की काव्यकला को समझ सकेंगे।
4. छात्रों में साहित्यकारों की निर्धारित रचनाओं के आस्वादन की तथा मूल्यांकन की दृष्टि बढ़ेगी।

Course Content

इकाई (क) **14 hours**

पंजाब की हिंदी कविता : पृष्ठभूमि, परम्परा और विकास

गुरु तेग बहादुर वाणी – संपादक गुरुदेव कौर व जी.एस. आनंद, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला प्रकाशन

इकाई (ख) **10 hours**

नीति उपदेश के दोहे-श्रद्धाराम फिल्लौरी

इकाई (ग) **11 hours**

पंजाब की हिंदी कहानी : पृष्ठभूमि, परम्परा और विकास

धरती गाती है-देवेन्द्र सत्यार्थी
तारीख का इंतज़ार-पुष्पपाल सिंह
घरौंदे से दूर-सैली बलजीत

इकाई (घ) **10 hours**

पंजाब के हिंदी उपन्यास: पृष्ठभूमि, परम्परा और विकास

बसरा की गलियाँ-अजय शर्मा

Transaction Mode:

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

- *वाली, चंद्रकांत (1968)* ***पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य का इतिहास****, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *द्विवेदी, विवेक (1999)* ***भीष्म साहनी****, उपन्यास साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली*

- *रस्तोगी, गिरीश (2001)* ***मोहन राकेश और उनके नाटक****. राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *बाठ, सुखविंदर कौर (1989)* ***गुरु तेग बहादुर : सन्दर्भ और विश्लेषण****, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला*
- *सिंह, महीप (1998)* ***गुरु गोविन्द सिंह और उनकी कविता****, लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद*
- *अग्रवाल, वीणा (2003)* ***गुरु गोविन्द सिंह : समाज और सौन्दर्य****, राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली*
- *कभी नहीं सोचा था - सुरजीत पातर, सारांश प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन समूह, दरियागंज नई दिल्ली*
- *राकेशरेणु (सं) (2021) सोबती की सोहबत में. प्रकाशन विभाग : नई दिल्ली.*
- *सिंह, राकेश कुमार (सं 2023) कृष्णा सोबती. आधार प्रकाशन : पंचकूला*
- *बेदी, हरमोहिंदर सिंह, पंजाब का हिंदी साहित्य , गुरु नानक देव विश्वविद्यालय*
- *राजपाल, हुकुमचन्द, पंजाब की हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाश, इलाहाबाद*

वेब सर्च :

- *https://hi.wikipedia.org*
- *https://www.inextlive.com/bihar/patna/punjab-contribution-to-hindi-literature-133534*
- *https://www.hindwi.org/kavita/kabhi-nahin-socha-tha-surjit-patar-kavita*
- *https://www.pustak.org/index.php/books/bookdetails/8688/Zindaginama*

Course Title: प्रेमचंद (विशेष अध्ययन)
Course Code: MHD207

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcomes

1. विशेष साहित्यकार के रूप में छात्र प्रेमचंद के साहित्यिक व्यक्तित्व से परिचित होंगे।
2. कहानीकार के रूप में प्रेमचंद के अवदान से परिचित होंगे।
3. प्रेमचन्द की आदर्शोन्मुखी यथार्थ दृष्टि से परिचित होगे।
4. प्रेमचंद के कलात्मक उत्कर्ष एवं यथार्थवादी दृष्टि से परिचित होंगे।

Course Content

इकाई (क) **10 hours**

प्रेमचन्द : परिचय एवं परिवेश, प्रेमचंद का जीवन दर्शन
आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद और प्रेमचंद की नारी भावना
प्रेमचंद की संपादन कला, हिंदी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचंद का योगदान

इकाई (ख) **12 hours**

प्रेमचंद की चयनित कहानियाँ (पञ्च परमेश्वर,ठाकुर का कुआं,बूढ़ी काकी,पूस की रात,बड़े घर की बेटी,कफन, जुलूस, ईदगाह, इस्तीफा, इज्जत का खून,नशा, कातिल, मैकू, दंड, बड़े भाई साहब आदि.

इकाई (ग) **10 hours**

उपन्यास – निर्मला
नाटक-कर्बला

इकाई (घ) **13 hours**

प्रेमचन्द के वैचारिक निबंध

1. स्वदेशी आन्दोलन
2. हिन्दू सभ्यता और लोकहित
3. भारतेंदु बाबू हरिश्चन्द्र
4. कालिदास की कविता
5. पुराना ज़माना: नया ज़माना

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *मदान, इन्द्रनाथ, प्रेमचंद : चिंतन और कला, सरस्वती प्रेस, बनारस.* ***1961***
- *रहबर, हंसराज, प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली.* ***1962***

- *सिन्हा, इंद्रमोहन कुमार, प्रेमचन्दयुगीन भारतीय समाज, बिहारी हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना* ***1974***
- *शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग. राजकमल प्रकाशन : नई दिल्ली* ***1981***
- *धर्मेन्द्र, गुप्त, समकालीन जीवन सन्दर्भ और प्रेमचंद, पीयूष प्रकाशन : नई दिल्ली* ***1988***

वेब सर्च

- *मुंशी प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय कहानियाँ), उपन्यास, व्यक्तित्व और जीवन परिचय( )zedhindi.com)*
- *मुंशी प्रेमचंद जीवन परिचय-, रचनाएं और भाषा शैली, Premchand (mycoaching.in) सेवासदन) विकिपीडिया -wikipedia.org)*

Course Title: मोहन राकेश (विशेष अध्ययन)
Course Code : MHD215

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Total: 45 Hours

Course Outcome:

1. छात्रों को नाटकों के विकसित चरण का ज्ञान होगा।
2. छात्रों को यांत्रिकता के दबाव में टूटते पारिवारिक संबंधों का परिचय प्राप्त होगा।
3. छात्रों को मोहन राकेश की व्यापक अनुभूतियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. छात्रो को मोहन राकेश की कहानियों का परिचय प्राप्त होगा।

Course Content

इकाई (क) **12 hours**

मोहन राकेश व्यक्तित्व और कृतित्व
मोहन राकेश के नाटकों का परिचय
मोहन राकेश के उपन्यासों का परिचय
मोहन राकेश की कहानियों का परिचय
हिंदी साहित्य में मोहन राकेश का योगदान

भाग (ख) **12 hours**

मोहन राकेश के नाटक
आषाढ़ का एक दिन

भाग (ग) **10 hours**

मोहन राकेश के उपन्यास
अँधेरे बंद कमरे

भाग (घ) **11 hours**

मोहन राकेश की कहानियाँ
मोहन राकेश की चयनित कहानियाँ
जख्म, अंतराल, मलबे का मालिक, सीमाएँ, जीनियस, परमात्मा का कुत्ता, फौलाद का आकाश, वारिस, जानवर और जानवर।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकों की सूची :

- *डॉ. रघुवंश, नाट्यकला : राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली 2001*
- *जैन, नेमिचंद (2002) राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.*
- *अग्रवाल, कुवरजी (1989) रंगमंच. राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली.*
- *चातक, गोविन्द (2001) नाटक की साहित्यिक संरचना. राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली*

- *जैन, नेमिचंद (1998) नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार और रंगमंच, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली.*
- *चातक, गोविन्द (1997) मोहन राकेश -आधुनिक हिंदी नाटक का मसीहा. लोकभारती प्रकाशन : इलाहाबाद.*

वेब सर्च :

- *https://jivanihindi.com/mohan-rakesh/*
- *https://zedhindi.com/mohan-rakesh-biography-in-*
- https://www.hindisamay.com/content/481/1/%E0%A4%AE%E0%A5%

Course Title: मीडिया लेखन (Media Lekhan)
Course Code : MHD216

L	T	P	Cr
2	0	0	2

Total: 30 Hours

Course Outcome:

1. हिंदी साहित्य की सभी विधाओं की जानकारी होगी।
2. हिंदी भाषा लेखन ज्ञान में वृद्धि होगी।
3. हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
4. छात्रों की सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।
5. छात्रों में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता का विकास होगा।
6. छात्रों की बौद्धिक क्षमता शक्ति का विकास होगा।

Course Content

इकाई (क) **4 hours**

जनसंचार-प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
विभिन्न जन संचार माध्यमों का स्वरूप, मुद्रण, श्रवण, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट, श्रव्यमाध्यम-आकाशवाणी

इकाई (ख) **3 hours**

मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन
रेडियो नाटक
उद्घोषण लेखन, फीचर लेखन

इकाई (ग) **4 hours**

दृश्य श्रव्य माध्यम, चलचित्र, दूरदर्शन, विडियो
दृश्य माध्यमों की भाषा की प्रकृति
दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य

इकाई (घ) **4 hours**

पार्श्व वाचन, वायस ओवर
विज्ञापन की भाषा,
इंटरनेट-सामग्री-सृजन

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीमशिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूहचर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययनकेलिएसहायकपुस्तकसूची :

- वर्मा, धीरेन्द्र (डॉ.), हिंदी भाषा का इतिहास, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग(कंपनी बाग़)
- तिवारी भोलनाथ (डॉ.), हिंदी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1966.
- तिवारी भोलनाथ (डॉ.), भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951.

SEMESTER - 3

Course Title : शोध-प्रस्ताव (Research Proposal)
Course Code : MHD398

L	T	P	Cr
0	0	8	4

Total: 60 Hours

Course Outcomes

पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद शिक्षार्थी सक्षम होगा

1. संबंधित साहित्य को एकत्रित करने, समीक्षा करने और उसका विश्लेषण करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगा।
2. परिकल्पना तैयार करने और अनुसंधान प्रक्रिया को डिजाइन करने के लिए ज्ञान को लागू करना।
3. ऐसे शोध शीर्षक खोजें जो महत्वपूर्ण, लागू और शोध योग्य हों।
4. सांख्यिकीय रणनीतियों को डिजाइन करने और संदर्भ, ग्रंथसूची और वेबलियोग्राफ़ी लिखने के लिए निष्कर्षों की व्याख्या करें।

पाठ्यक्रम सामग्री

एक शोध प्रस्ताव में शोध प्रक्रिया में शामिल सभी प्रमुख तत्व शामिल होते हैं और शोध के संचालन के लिए विस्तृत जानकारी का प्रस्ताव होता है।

छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे इन चरणों का पालन करते हुए अपनी पसंद के किसी भी शोध क्षेत्र का शोध प्रस्ताव तैयार करें:

1. विषय का चयन
2. अनुसंधान क्षेत्र का महत्व
3. परिकल्पना/अनुसंधान प्रश्नों का निर्माण
4. संबंधित साहित्य की समीक्षा
5. विधि एवं प्रक्रिया (नमूना एवं डिज़ाइन शामिल है)
6. डेटा संग्रह और प्रस्तावित सांख्यिकीय विश्लेषण
7. परिसीमन
8. संदर्भ/ग्रंथ सूची

मूल्यांकन

छात्रों को ऊपर दिए गए प्रत्येक विषय की लेखन प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी, जिसका मूल्यांकन प्रत्येक सप्ताह के अंत में किया जाएगा। इसमें प्रत्येक 8 अंक का होगा। अंतिम प्रस्ताव 15 अंक, वाइवा 16 अंक और उपस्थिति 5 अंक का होगा।

लेन-देन मोड

सहयोगात्मक शिक्षण, समूह चर्चा, ईटीम शिक्षण, गतिविधियाँ, मूल्यांकन, सहयोगात्मक शिक्षण, सहकर्मी शिक्षण, वीडियो आधारित शिक्षण, प्रश्नोत्तरी, खुली बातचीत, ई टीम शिक्षण, केस विश्लेषण, फ़्लिप्ड शिक्षण

Course Title: नैतिक मूल्य एवं बौद्धिक सम्पदा (Ethics and IPR)
Course Code: MHD312

L	T	P	Cr
3	0	0	3

Total: 30 Hours

Course Outcomes

1. शोधार्थी भारतीय समाज एवं उससे सम्बद्ध मूल्यों तथा मूल्यों की उपयोगिता से परिचित होंगे।
2. शोधार्थी नैतिक मूल्यों के स्वरूप, व्यक्तित्व के विकास में नैतिक की भूमिका, सामाजिक उपयोगिता एवं नैतिक परिवेश में आयी गिरावट से परिचित होंगे।
3. शोधार्थी समाज के वर्त्तमान स्वरूप, नैतिकता, सत्संकल्प एवं नैतिक आदर्श से परिचित होंगे।
4. शोधार्थी शोध के साथ नैतिक मूल्यों के अन्त:संबंध को समझ सकेंगे।

Course Content

इकाई (क) **8 hours**

भारतीय समाज और मूल्य
मूल्य,अर्थ, परिभाषा, महत्त्व
मूल्यों की आवश्यकता
मूल्यों का वर्गीकरण : सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, नैतिक, सांस्कृतिक

इकाई (ख) **7 hours**

नैतिक मूल्य का स्वरूप
व्यक्तित्व के विकास में नैतिक मूल्यों की भूमिका
नैतिक मूल्यों की सामाजिक उपादेयता
नैतिक पर्यावरण का ह्रास

इकाई (ग) **7 hours**

समाज का वर्त्तमान स्वरूप एवं मूल्यों की आवश्यकता
नैतिकता और सत्संकल्प
नैतिकता और आदर्श

इकाई (घ) **8 hours**

बौद्धिक सम्पदा: अर्थ और स्वरुप
शोध और नैतिक मूल्य
साहित्यिक अनुकृति से बचाव
बौद्धिक ईमानदारी
प्रकाशन नैतिकता

Transaction Mode

व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

- *पाण्डे, प्रो. गोविन्द चन्द्र (2005). मूल्य मीमांशा, राका प्रकाशन : इलाहाबाद.*
- *द्विवेदी, प्रो. ब्रजवल्लभ(1998) भारतीय संस्कृति के आयाम, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय : नई दिल्ली*
- *शल्भ, यशदेव (1969) संस्कृति: मानवकर्तृव की व्याख्या, सामाजिक विज्ञान हिंदी रचना केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय : जयपुर.*

वेब सर्च

- *https://www.gkexams.com/ask/48540-Naitik-Mulyon-Ka-Mahatva*
- *https://www.worldwidejournals.com/paripex/recent_issues_pdf/2016/October/naitik-avam-samajik-mulyo-ka-mahatva_October_2016_1506094949_9308498.pdf*
- *https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/B.A.-III%20(Sociology)%20(Option-I)%20(Indian%20Society).pdf*

Course Title: PROFICENCY IN TEACHING
Course Code: MHD397

L	T	P	Credits
2	0	0	2

Total Hours: 30

Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:

1. शिक्षार्थी-केंद्रित अनुदेशात्मक योजनाएँ और सीखने के परिणाम डिज़ाइन करें।
2. शिक्षार्थियों को संलग्न करने के लिए नवीन शिक्षण रणनीतियों और प्रौद्योगिकियों को लागू करें।
3. विद्यार्थियों के सीखने का मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न मूल्यांकन विधियों का विश्लेषण करें।
4. शिक्षण अनुभवों पर चिंतन करें और शिक्षण प्रथाओं में लगातार सुधार करें।
5. प्रभावी संचार और कक्षा प्रबंधन कौशल विकसित करें।

शिक्षार्थी-केंद्रित अनुदेशात्मक योजनाएँ और अधिगम का प्रारूप बनाना सीखेंगे ।
शिक्षार्थियों को संलग्न करने के लिए नवीन शिक्षण नीतियों और प्रोद्यौगिकी को लागू करने का ज्ञान होगी ।
शिक्षार्थी अधिगम को विश्लेषित करने एवं मूल्यांकन करने के लिए विभिन्न विधियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
शिक्षार्थी शिक्षण अनुभवों पर चिंतन करना और शिक्षण प्रथाओं में लगातार सुधार करना सींखेंगे ।

Course content

यूनिट 1: **8 घंटे**

पाठ्यक्रम और उसके उद्देश्यों का अवलोकन - 1-2 सिद्धांत निर्दिष्ट करें या शिक्षण के लिए सीखने के सिद्धांतों का अवलोकन दें - सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक और छात्र की भूमिका को समझना - स्पष्ट और मापने योग्य सीखने के परिणाम लिखना -
अर्थ प्रकृति, परिभाषा, दायरा और महत्व शिक्षाशास्त्र, एंड्रैगोजी और ह्यूटागोजी - शिक्षण के लिए कौशल-आधारित दृष्टिकोण (शिक्षण कौशल), सूक्ष्म-शिक्षण, मैक्रो शिक्षण। शिक्षण के तरीके और दृष्टिकोण - सीएएम, संरचना-कार्य दृष्टिकोण, सिंथेटिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, न्यायशास्त्रीय पूछताछ मॉडल

पाठ्यक्रम और उसके उद्देश्यों का अवलोकन – अधिगम के सिद्धांत और शिक्षण के लिए उनके निहितार्थ – जानने की प्रक्रिया में शिक्षक और छात्र की भूमिका को समझना - स्पष्ट और मापने योग्य सीखने के परिणाम लिखना – अर्थ, प्रकृति, परिभाषा, दायरा और महत्व पेडागोजी, एंड्रागोजी और ह्यूटागोजी - शिक्षण के लिए कौशल-आधारित दृष्टिकोण (शिक्षण कौशल), सूक्ष्म-शिक्षण, मैक्रो शिक्षण - शिक्षण के तरीके और दृष्टिकोण – सी.ए.एम. संरचना-कार्य दृष्टिकोण, सिंथेटिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, न्यायशास्त्रीय पूछताछ मॉडल

यूनिट 2: **7 घंटे**

शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं और पृष्ठभूमियों को समझना - एक समावेशी और सहायक शिक्षण वातावरण बनाना - सक्रिय शिक्षण और छात्र सहभागिता नीतियों को सुविधाजनक बनाना
व्याख्यान, चर्चाएँ और प्रदर्शन - समूह कार्य, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षा - समस्या-आधारित शिक्षा, केस अध्ययन और सिमुलेशन

यूनिट 3 : **7 घंटे**

समेकित प्रोद्यौगिकी उपकरणों को एकीकृत करना - ऑनलाइन, मिश्रित शिक्षण, फ्लिप्ड लर्निंग और एम-लर्निंग दृष्टिकोण - शैक्षिक सॉफ्टवेयर और प्लेटफार्मों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना-
रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन विधियाँ - शैक्षणिक प्रभाव, मूल्यांकन और माप के बीच अंतर, ई-मूल्यांकन उपकरण

यूनिट 4 : **8 घंटे**

शिक्षण में चिंतनशील अभ्यास का महत्व - शिक्षण प्रभावशीलता का स्व-अभ्यास और मूल्यांकन - व्यावसायिक विकास की आवश्यकता - बहुसांस्कृतिक और अंतर्राष्ट्रीय कक्षाओं में शिक्षण - सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण पद्धति - शिक्षण पद्धति का अर्थ, परिभाषा - धारणाएँ, महत्व, भूमिका और शिक्षण पद्धति के प्रकार- ऐतिहासिक शिक्षण मॉडल, शिक्षण का दार्शनिक मॉडल

SUGGESTED READINGS

- अली, एल. (2012). शिक्षक शिक्षा. नई दिल्ली: एपीएच प्रकाशन निगम।
- आनंदन, के. (2010). शिक्षक शिक्षा में अनुदेशात्मक प्रौद्योगिकी. नई दिल्ली: एपीएच प्रकाशन निगम।
- ब्रूस आर जॉयस और मार्शा वेइल, मॉडल्स ऑफ टीचिंग, प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1985।
- चालन, के.एस. (2007). शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन का परिचय. नई दिल्ली: अनमोल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड
- चंद, टी. (2008). शिक्षण के सिद्धांत. नई दिल्ली: अनमोल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड
- चिनिवार, पी.एस. (2014). शिक्षण की तकनीक. नई दिल्ली: अनमोल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड
- कर्ज़न, एल.बी., और टुमन्स, जे. (2004). भविष्य की शिक्षा में शिक्षण। यू.एस.ए.: ब्लूम्सबरी अकादमिक प्रकाशन।
- दास, आर.सी. (1993): एजुकेशनल टेक्नोलॉजी - ए बेसिक टेक्स्ट, स्टर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट। लिमिटेड
- इवाउत, एम. शैक्षिक प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय विश्वकोश।
- गेज एन एल, हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन टीचिंग, रैंड मैक नैली एंड कंपनी, शिकागो, 1968।
- ग्रीम, के. (1969). ब्लैकबोर्ड टू कंप्यूटर्स: ए गाइड टू एजुकेशनल एड्स, लंदन, वार्ड लॉक।
- हास, के.बी. और पैकर, मुख्यालय (1990). ऑडियो विजुअल एड्स की तैयारी और उपयोग, तीसरा संस्करण, प्रेंटिस हॉल, इंक।
- हसीन ताज (2006). आधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी, आगरा: एच.पी.भार्गव बुक हाउस।
- जार्विस, एम. (2015). कक्षा में आईसीटी के लिए शानदार विचार। न्यूयॉर्क: रूटलेज प्रकाशन।
- कुमार, के.एल. (2008). एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, न्यू एज इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड प्रकाशक, नई दिल्ली (दूसरा संशोधित संस्करण)।
- कुमार, पी. (2015). शिक्षा में वेब आधारित प्रौद्योगिकी। नई दिल्ली: एपीएच प्रकाशन निगम।
- मंगल, एस.के. (2014). उन्नत शैक्षिक मनोविज्ञान. नई दिल्ली: पीएचआई लर्निंग प्रा. लिमिटेड

Course Title: (Computer Lab)

Course Code: MHD314

L	T	P	Credits
0	0	4	2

Total: 60 Hours

Course Outcomes:

1. शोधर्थियों को माइक्रोसॉफ्टऑफिस के विषय में पूर्ण जानकारी होगी।
2. शोधर्थियों वेब सर्चकीकी आवश्यकता व महत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।
3. ई कंटेंट को समझते हुए उसके उपयोगिता एवं प्रासंगिकता की जानकारी होगी।
4. कम्प्यूटर की शब्दावली, कम्प्यूटर के माध्यम से शोध प्रबंध ,शोध पत्र आदि की टाइपिंग सुविधा की जानकारी होगी।

Course Content:

Unit I **10 hours**

माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन आदि
हिंदी टाइपिंग

Unit II **8 hours**

वेब सर्च में चार्ट/ग्राफ बनाना, इंटरनेट, गूगल आदि का उपयोग करना।

Unit III **6 hours**

ई कंटेंट का उपयोग।

Unit IV **6 hours**

कम्प्यूटर की शब्दावली, शोध प्रबंध लेखन में कंप्यूटर की उपयोगिता।

Transaction Mode

व्याख्यान, परियोजना पद्धति, संगोष्ठी, समूह चर्चा, ट्यूटोरियल, ई-लर्निंग, प्रदर्शन, अर्थमितीय सॉफ्टवेयर एसपीएसएस के साथ प्रयोग।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें :

- *सिंपल स्टेप्स में ऑफिस 2007, कोजेंट सॉल्यूशंस, (विली पब्लिशर्स)।*
- *एम. एस. ऑफिस 2007 प्रशिक्षण गाइड, एस. जैन (बी. पी. बी प्रकाशन)।*

Course Title: Service Learning
Course Code: MHD396

L	T	P	C
0	0	4	2

Learning Outcomes

कोर्स पूरा होने पर छात्र सक्षम हो सकेंगे

1. संबंध स्थापित करने और रिश्ते बनाने के लिए सामुदायिक गतिविधियों में भाग लें।
2. समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत के माध्यम से समुदाय की जरूरतों का मूल्यांकन करें।
3. समुदाय की जरूरतों को पूरा करने वाली पहलों का विकास और कार्यान्वयन करें।
4. व्यक्तिगत विकास, सामुदायिक प्रभाव और सेवा गतिविधियों से संबंधित नैतिक विचारों पर विचार करें।

पाठ्यक्रम सामग्री

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सार्थक सेवा-शिक्षण गतिविधियों में शामिल करना है जो सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। छात्र समुदाय-आधारित परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेंगे, समुदाय के सदस्यों और संगठनों के साथ सहयोग करेंगे और उनकी सेवा गतिविधियों के प्रभाव को प्रतिबिंबित करेंगे। इस अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से, छात्र सामुदायिक आवश्यकताओं की गहरी समझ विकसित करेंगे, विविध हितधारकों के साथ संबंध बनाएंगे और सामुदायिक विकास में योगदान देंगे।

इस पाठ्यक्रम में, छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरे सेमेस्टर के दौरान समुदाय में मौजूद रहें और उनके साथ काम करने के बाद नियमित रूप से उनके अनुभवों पर विचार करें। छात्र सेवा शिक्षण प्रदान करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण का उपयोग करेंगे। वे प्रमुख सैद्धांतिक, पद्धतिगत और व्यावहारिक मुद्दों का विश्लेषण और समझ रखने में सक्षम होंगे।

समुदाय से संबंधित 10 गतिविधियों का चयन करें जिन्हें आस-पास के गांवों में किया जाना है। 8-10 के समूह में छात्र एक गतिविधि पर काम करेंगे।

मूल्यांकन के मानदंड

1. प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन उसी दिन 10 अंकों में से किया जाएगा।
2. 100 में से कुल 10 गतिविधियों का मूल्यांकन कर परीक्षा शाखा को प्रस्तुत किया जाएगा।

गतिविधि मूल्यांकन

1. गतिविधि का प्रकार- 2 अंक
2. विद्यार्थी की भागीदारी- 2 अंक
3. गतिविधि में संलग्नता- 2 अंक
4. गतिविधियों का परिणाम- 2 अंक
5. उपस्थिति- 2 अंक

गतिविधि मूल्यांकन

1. गतिविधि का प्रकार- 2 अंक
2. विद्यार्थी की भागीदारी- 2 अंक

3. गतिविधि में संलग्नता- 2 अंक
4. गतिविधियों का परिणाम- 2 अंक
5. उपस्थिति- 2 अंक

लेनदेन मोड

समस्या-समाधान शिक्षण, मिश्रित शिक्षण, गेमिफिकेशन, सहकारी शिक्षण, पूछताछ-आधारित शिक्षण, विज़ुअलाइज़ेशन, समूह चर्चा, अनुभवात्मक शिक्षण, सक्रिय भागीदारी।

Course Title: सामान्य हिंदी (Samanya Hindi)
Course Code: OEC074

L	T	P	C
2	0	0	2

Total: 30 Hours

Course Outcomes

1. हिंदी साहित्य की सभी विधाओं की जानकारी होगी।
2. हिंदी भाषा लेखन ज्ञान में वृद्धि होगी।
3. हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
4. छात्रों की सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।
5. छात्रों में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता का विकास होगा।

Course Content

इकाई (क) **7 hours**

हिंदी वर्णमालाः स्वर, व्यंजन
वर्णों का उच्चारण स्थान
संधि, पर्यायवाची, विपरीत शब्द, अनेक के लिए एक, शुद्ध अशुद्ध, मुहावरे

इकाई (ख) **8 hours**

काव्यांजलि –प्रमुख कवि
भारतेंदु हरिश्चंदर –यमुना शोभा, मैथलीशरण गुप्त -साकेत
माखन लालचतुर्वेदी –पुष्प की अभिलाषा
जयशंकर प्रसाद
सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर

इकाई (ग) **9 hours**

कथाकार प्रमुख कथाकार
प्रेमचंद, जैनेन्द्र, शिवानी, अमरकांत, फनीश्वर नाथ रेणु
नाटककार –विष्णु प्रभाकर, लक्ष्मी नारायण लाल

इकाई (घ) **6 Hours**

कविता, कहानी लेखन, पत्र, निबन्ध

Transaction Mode: व्याख्यान, संगोष्ठी, ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा, मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूचीः

- मिश्र, कृमरविहारी, हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, प्रकाशन दिल्ली 1969
- राधेश्याम, विकास पत्रकारिता, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ 1990
- दीक्षित सूर्यकान्त, जनपत्रकारिता, जनसंचार एवं जनसम्पर्क, संजय प्रकाशन दिल्ली 1998
- मिश्र, चन्द्रप्रकाश, मीडिया लेखन, सिद्धान्त और व्यवहार, संजय प्रकाशन दिल्ली 1987
- पाण्डेय, स्नाकर, हिन्दी पत्रकारिता, प्रेमचन्द्र औ रहंस, प्रदीप प्रकाशन दिल्ली 1995

Semester - 4

Course Title: **लघु शोध प्रबंध**
Course Code: **MHD401**

L	T	P	Credits
0	0	0	20

Course Outcomes:

1. छात्र अपनी रुचि से शोध क्षेत्र का चयन करेंगे।
2. अनुसंधान क्षेत्र में अंतराल की पहचान करेंगे।
3. अनुसंधान के लिए क्षेत्र के महत्त्व का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. मानक प्रारूप का उपयोग कर संदर्भ और सन्दर्भ ग्रन्थ सूची लिखने में सक्षम होंगे।

छात्र सेमेस्टर की शुरुआत से पहले दो हफ्तों के भीतर अपने शोध निर्देशक / संकाय सदस्य के निर्देश के साथ अपनी पसंद के क्षेत्र का चयन करेंगे. ई-संसाधनों, डेटा बेस और अन्य संबंधित सामग्री से परामर्श करेंगे। वे चुने गए क्षेत्र पर एक थीम पेपर भी लिखेंगे।

चयनित विषय पर दो प्रस्तुतियां होंगी -

पहली प्रस्तुति सेमेस्टर के 6-7 सप्ताह के दौरान आयोजित की जाएगी। विभाग के दो परीक्षक निम्नलिखित मानदंडों पर इसका मूल्यांकन करेंगे।

चयनित विषय क्षेत्र की सामग्री
क्षेत्र का महत्त्व
तकनीकी प्रस्तुति
सवालों के जवाब

प्रस्तुति 30-40 मिनट की होगी। अवधि। पहले मूल्यांकन में 20 अंक होंगे। दूसरी प्रस्तुति सेमेस्टर के 12-13 सप्ताह के दौरान आयोजित की जाएगी और इसमें 30 अंक शामिल होंगे। मूल्यांकन के मानदंड और प्रस्तुति की अवधि ऊपर उल्लिखित के समान होगी।

Course Title: **कोश विज्ञान**
Course Code: **MHD402**

L	T	P	Credits
1	0	0	1

Total: 15 Hours

Course Learning Outcomes:

1. छात्रों को विभिन्न साहित्यिक पुस्तकों के अध्ययन में सहायता मिलेगी |
2. हिन्दी भाषा लेखन ज्ञान में वृद्धि होगी |
3. छात्र हिन्दी कोश के विभिन्न पहलुओं से परिचित होंगे तथा रोजगारोन्मुख होंगे |
4. छात्रों की सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा

इकाई (क) **8 hours**

कोश का अर्थ और आयाम ,आवश्यकता एवं महत्व स्वरूप, विकास एवं परम्परा कोश का वर्गीकरण एवं वर्गीकरण का आधार

विविध प्रकार के कोश-उपभाषा, परिभाषा, समांतर, कथा कोश, उच्चारण ,लोकोक्ति, मुहावरा ,साहित्य कम्प्यूटर कोश

इकाई (ख) **7 hours**

वैदिक कोश, निघंटू एवं निरुक्त, परवर्ती वैदिक कोश एवं उनका स्वरूप अनुवाद में कोश की उपयोगिता

आधुनिक कोश : स्वरूप एवं प्राचीन कोश से भिन्नता प्रशासनिक कोश, अन्य पारिभाषिक कोश

Transaction Mode: ई-टीम शिक्षण, ई-ट्यूटरिंग, संवाद, सहकर्मी समूह चर्चा,
मोबाइल शिक्षण, स्व-शिक्षा, सहयोगात्मक शिक्षा और सहकारी शिक्षण।

अध्ययन के लिए पुस्तकें :

- गवेषणा (पत्रिका) – कोश विज्ञान विशेषांक, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा
- वर्मा, (डॉ.) देवेन्द्र, कोश विज्ञान, विश्वभारती प्रकाशन, 2023.
- गुप्ता, विक्रम/ दर्शन पाण्डेय, कोश विज्ञान : शब्द कोश और विश्व कोश, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली,2018
- शर्मा, महामहोपाध्याय पण्डित रामावतार, वाड़मयार्णव, ज्ञानमंडल लि., कबीर्चोरा, वाराणसी
- रसिकेश, रामस्वरूप, आदर्श हिंदी संस्कृत कोश(भूमिका भाग), चौखम्बा प्रकाशन, कचौरी गली, वाराणसी, 2007.

वेबसर्च:

https://ebooks.inflibnet.ac.in/hinp09/chapter/%E0%A4%95%E0%A5%8B%E0%A4%B6%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A5%8D%E0%A4%9E%E0%A4%BE%E0%A4%A8/